चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....The Times of India.....

दिनांक ..6..12..2020..पृष्ठ संख्या.....5.....कॉलम.....1-2.....

NDRI ranked top agri varsity in India

Amit Kumar | TNN

Karnal: National Dairy Research Institute (NDRI) has been ranked first among India's 72 agricultural universities, including state agricultural universities, four deemed universities of ICAR, and central universities with agriculture faculty, by the Indian Council of Agriculture Research (ICAR).

Manmohan Singh Chauhan, NDRI director, received the award from Parshottam Khodabhai Rupala, Union minister of state for panchayati raj, agriculture, and farmers welfare, during the ICAR foundation day award ceremony.

Stating that it was a great moment of pride for the institute, Chauhan congratulated the faculty and staff of NDRI lauding them for their dedication and devotion to serving the institution as well as the farming community. He said NDRI had achieved a landmark success for developing several technologies like in vitro fertilization, cloning, transgenics, manufacture of a variety of nutritious high-quality indigenous dairy products, producing tools for detection of various milk adulterants and also for providing high quality manpower for various dairy development and extension programmes in the country.

HAU third in ICAR ranking

Hisar: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar was ranked as the third best state agricultural university among 64 state agricultural universities and three central agricultural universities of the country.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..........The Tribune..........

दिनांक 6.12.2020 पृष्ठ संख्या 3 कॉलम 5-8

NDRI tops agricultural institutes of country

KARNAL/HISAR, DECEMBER 5

National Dairy Research Institute (NDRI) in Karnal has been ranked first among 72 agricultural universities of India, including state agricultural universities, four deemed universities of ICAR and central universities with agriculture faculty, by the Education Division of Indian Council of Agricultural Research (ICAR), New Delhi. The award was declared by the ICAR.

Director, NDRI, Dr Manmohan Singh Chauhan said it was a great moment of pride for the institute. He congratulated the staff members for their efforts in achieving this landmark.

HAU ranked third

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, was ranked third 'Best State Agricultural University' amongst 64 state and three central agricultural universities of the country. However, the university has been ranked overall sixth. — TNS

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 6..12..2020.... पृष्ठ संख्या......2...... कॉलम......3-8.....

एचएयू देश के शीर्ष तीन कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की रैंकिंग में मिला तीसरा स्थान, एचएयू के कुलपति ने स्टाफ की सराहना

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। अब विश्वविद्यालय देश के शीर्ष तीन राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल हो गया है। विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान मिला है।

कुलपति प्रो समर सिंह।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) रैंकिंग की घोषणा शनिवार को देश के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक के समापन अवसर पर की। आईसीएआर द्वारा जारी इस रैंकिंग के लिए देश के सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था,जिसका परिणाम शनिवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में जारी किया गया।

इस आधार पर होती है रैंकिंग : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा जारी रैंकिंग के लिए विभिन्न मापदंड तय किए जाते हैं। इस रैंकिंग के लिए विभिन्न केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, राज्य कृषि विश्वविद्यालय व डीम्ड विश्वविद्यालय/आईसीएआर के संस्थान शामिल हुए थे। इनमें 64 राज्य कृषि विश्वविद्यालय, 3 केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय व 4 डीम्ड विश्वविद्यालय/ आईसीएआर के संस्थान शामिल हुए। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा के अलावा अवार्ड के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें शिक्षण, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा के लिए तीस-तीस अंक जबकि अवार्ड के लिए दस अंक तय किए गए थे।

अनुसंधान क्षेत्र में सबसे ज्यादा अंक हासिल किए

विश्वविद्यालय के रैंकिंग के नोडल अधिकारी प्रोफेसर रवि गुप्ता ने बताया कि आईसीएआर द्वारा तय मानकों में इस बार विश्वविद्यालय को अनुसंधान के क्षेत्र में सबसे अधिक अंक हासिल किए हैं। उन्होंने बताया कि इस रैंकिंग में अनुसंधान की गत तीन वर्षों की उपलब्धियों को शामिल किया गया था। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित करना, पेटेंट हासिल करना और नई-नई तकनीकों को विकसित करना शामिल था। इसके अलावा शिक्षण और विस्तार शिक्षा की पिछले एक वर्ष की उपलब्धियों को शामिल किया गया। उन्होंने बताया कि गत वर्ष विस्तार शिक्षा में कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर को 'सर्वश्रेष्ठ जोनल कृषि विज्ञान केंद्र अवार्ड' से नवाजा गया था।

इससे पहले भी कई उपलब्धियां विश्वविद्यालय के नाम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी वर्ष 1996 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं और वर्ष 2016 में अनुसंधान के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जा चुका है। इसी प्रकार गत दिनों विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया था। इसी वर्ष केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फेरमवर्क में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को देशभर में 49वां स्थान जबकि प्रदेश में पहला स्थान मिला था।

इनकी रही खास भूमिका

रैंकिंग के लिए आवेदन करवाने में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में गठित रैंकिंग कमेटी में मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, विस्तार शिक्षा के संयुक्त निदेशक डॉ. कृष्ण यादव, डॉ. सीमा परमार व आईसीएआर के नोडल अधिकारी डॉ. जितेंद्र भाटिया के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों एवं अधिष्ठाताओं का विशेष सहयोग रहा।

कुलपति ने कहा-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली नित्त उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........

दिनांक 6.12.2020 पृष्ठ संख्या.........2.........कॉलम.....1-4.......

'एच.ए.यू. देश के टॉप-3 कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल'

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की रैंकिंग में मिला तीसरा स्थान

हिसार, 5 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक ओर उपलब्धि जुड़ गई है। अब विश्वविद्यालय देश के शीर्ष 3 राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल हो गया है। विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2019 के लिए जारी आई.सी.ए.आर. रैंकिंग में तीसरा स्थान मिला है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई.सी.ए.आर.) रैंकिंग की घोषणा शनिवार को देश के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक के समापन अवसर पर की।आई.सी.ए.आर. द्वारा जारी इस रैंकिंग के लिए देश के सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था, जिसका परिणाम शनिवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में जारी किया गया।

एच.ए.यू. का फाइल फोटो।

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी रैंकिंग के लिए विभिन्न मापदण्ड तय किए जाते हैं। इस रैंकिंग के लिए विभिन्न केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, राज्य कृषि विश्वविद्यालय व डीम्ड विश्वविद्यालय/आई.सी.ए.आर. के संस्थान शामिल हुए थे। इनमें 64 राज्य कृषि विश्वविद्यालय, 3 केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय व 4 डीम्ड विश्वविद्यालय/ आई.सी.ए.आर. के संस्थान शामिल हुए। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा के अलावा अवार्ड के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें शिक्षण, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा के लिए 30, जबकि अवार्ड के लिए 10 अंक तय किए गए थे।

इस बार अनुसंधान क्षेत्र का रहा अहम रोल

विश्वविद्यालय रैंकिंग के नोडल अधिकारी प्रो. रवि गुप्ता ने बताया कि आई.सी.ए.आर. द्वारा तय मानकों में इस बार विश्वविद्यालय को अनुसंधान के क्षेत्र में सबसे अधिक अंक हासिल किए हैं। उन्होंने बताया कि इस रैंकिंग में अनुसंधान की गत 3 वर्षों की उपलब्धियों को शामिल किया गया था। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित करना, पेटैंट हासिल करना और नई-नई तकनीकों को विकसित करना शामिल था। इसके अलावा शिक्षण और विस्तार शिक्षा की पिछले एक वर्ष की उपलब्धियों को शामिल किया गया। उन्होंने बताया कि गत वर्ष विस्तार शिक्षा में कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर को 'सर्वश्रेष्ठ जोनल कृषि विज्ञान केंद्र अवार्ड' से नवाजा गया था। इसी प्रकार विश्वविद्यालय को मिले विभिन्न अवार्ड के भी अंक जुड़े हैं।

इससे पहले भी कई उपलब्धियां विश्वविद्यालय के नाम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी वर्ष 1996 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं और वर्ष 2016 में अनुसंधान के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जा चुका है। इसी प्रकार गत दिनों विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमैंट्स में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया था। इसी वर्ष केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 के लिए जारी नैशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को देशभर में 49वां स्थान, जबकि प्रदेश में पहला स्थान मिला था।

विश्वविद्यालय की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान : प्रो. समर सिंह

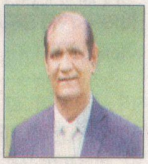

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली नित उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है।विश्वविद्यालय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी रैंकिंग में देशभर के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में तीसरे स्थान पर रहा है। भविष्य में ओर अधिक मेहनत कर विश्वविद्यालय को शीर्ष स्थान हासिल करना प्राथमिकता रहेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 6.12.2020...पृष्ठ संख्या.....7.....कॉलम.....3-6.....

एच.ए.यू. देश के शीर्ष 3 कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की रैंकिंग में मिला तीसरा स्थान

हिसार, 5 दिसंबर (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक ओर उपलब्धि जुड़ गई है। अब विश्वविद्यालय देश के शीर्ष तीन राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल हो गया है। विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान मिला है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) रैंकिंग की घोषणा शनिवार को देश के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक के समापन अवसर पर की। आईसीएआर द्वारा जारी इस रैंकिंग के लिए देश के सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था,जिसका परिणाम शनिवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में जारी किया गया।

विश्वविद्यालय के प्रवेश द्वार का चित्र।

इनकी रही खास भूमिका

रैंकिंग के लिए आवेदन करवाने में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में गठित रैंकिंग कमेटी में मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, विस्तार शिक्षा के संयुक्त निदेशक डॉ. कृष्ण यादव, डॉ. सीमा परमार व आईसीएआर के नोडल अधिकारी डॉ. जितेंद्र भाटिया के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों एवं अधिष्ठाताओं का विशेष सहयोग रहा।

इस बार अनुसंधान क्षेत्र का रहा अहम रोल

विश्वविद्यालय के रैंकिंग के नोडल अधिकारी प्रोफेसर रवि गुप्ता ने बताया कि आईसीएआर द्वारा तय मानकों में इस बार विश्वविद्यालय को अनुसंधान के क्षेत्र में सबसे अधिक अंक हासिल किए हैं। उन्होंने बताया कि इस रैंकिंग में अनुसंधान की गत तीन वर्षों की उपलब्धियों को शामिल किया गया था। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित करना, पेटेंट हासिल करना और नई-नई तकनीकों को विकसित करना शामिल था। इसके अलावा शिक्षण और विस्तार शिक्षा की पिछले एक वर्ष की उपलब्धियों को शामिल किया गया। उन्होंने बताया कि गत वर्ष विस्तार शिक्षा में कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर को 'सर्वश्रेष्ठ जोनल कृषि विज्ञान केंद्र अवार्ड' से नवाजा गया था। इसी प्रकार विश्वविद्यालय को मिले विभिन्न अवार्ड के भी अंक जुड़े हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक जागरण....

दिनांक 6.12.2021 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 2-5

उचित अवसर मिले तो देश के विकास का परिदृश्य बदल सकती हैं महिलाएं

एचएयू के वीसी बोले- दूसरी हरित क्रांति में महिलाओं की सहभागिता जरूरी

जागरण संवाददाता, हिसार : अगर हम देश में दूसरी हरित क्रांति लाना चाहते हैं तो कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका व उनकी सहभागिता को सुनिश्चित करना होगा। इसके लिए महिला किसानों को प्रोत्साहन व वित्तीय सुविधा प्रदान करना जरूरी है। यह बातें चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित महिला किसान दिवस के अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. बिमला ढांडा ने की। कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि आज देश की कुल आबादी में आधा हिस्सा महिलाओं का है, इसके बावजूद खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं अभी भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। महिला सशक्तीकरण के लिए कृषि के क्षेत्र में उनके योगदान को न केवल सराहा जाना चाहिए, बल्कि उन्हें अधिक से अधिक किसानी के लिए आमंत्रित भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों का मानना है कि अगर कृषि क्षेत्र में महिलाओं को बराबर का दर्जा मिले तो फसल उत्पादन में बढ़ोतरी हो सकती है, भूख और कुपोषण को भी रोका जा सकता है। इसके अलावा ग्रामीण आजीविका में सुधार होगा।

एचएयू में महिला किसान दिवस पर कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति। ● जागरण

स्वयं सहायता समूह बनाकर करें काम : पुष्पा रानी

गैर सरकारी संगठन से जुड़ी पुष्पा रानी ने महिलाओं से स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि वे गृह वाटिका, बीज तैयार कर व घरेलू खाद्य उत्पादन से अपनी आय उपार्जित कर सकती हैं। डा. वीनू सांगवान ने मोटे अनाज का प्रसंस्करण व पौष्टिकता पर व्याख्यान देते हुए गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी दी। डा. बीना यादव ने सभी वक्ताओं व श्रोताओं का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संयोजन डा. सुषमा कौशिक व डा. राजेश दहिया ने किया। कार्यक्रम में प्रदेश की करीब 200 कृषक महिलाएं जिन्होंने इस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है, अपने खेती-बाड़ी संबंधी अनुभवों को साझा किया।

महिलाओं ने साझा किए विचार

डा. बिमला ढांडा ने बताया कि देश भर के समस्त कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों एवं कृषि विज्ञान केंद्रों में महिला किसान दिवस आयोजित करने का उद्देश्य कृषि में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाना है। कार्यक्रम के दौरान फतेहाबाद जिले की प्रगतिशील महिला किसान सिमरजीत कौर ने केंचुआ खाद-एक व्यवसाय एवं खाद्य सुरक्षा पर अपन विचार साझा किए व अन्य महिलाओं को भी जैविक खेती अपनाने पर बल दिया। किसान नरेंद्र ने महिलाओं को विविधिकरण अपनाने की सलाह दी। उन्होंने महिलाओं से विभिन्न सब्जियों की पंजीरी तैयार करने के अनुभव के साथ-साथ कृषि व्यवसाय से अधिक से अधिक मुनाफा हासिल करने को लेकर भी विचार-विमर्श किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम: दैनिक जागरण

दिनांक 6.12.2020 पृष्ठ संख्या 3 कॉलम 1-3

एचएयू को कृषि शिक्षण संस्थानों में छठा राज्य विवि रैंकिंग में मिला तीसरा स्थान

जागरण संवाददाता, हिसार : आइसीएआर रैंकिंग में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) को देशभर की कृषि शिक्षण संस्थानों में छठा स्थान मिला है। वहीं राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों में एचएयू को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। हालांकि कृषि शिक्षण संस्थानों में विश्वविद्यालय की रैंकिंग कुछ कम हुई है। वहीं पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी की रैंकिंग बढ़कर दूसरे पायदान पर पहुंच गई है।

शनिवार को केंद्रीय कृषि मंत्रालय के तहत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) ने 2019 के लिए रैंकिंग जारी की, जिसमें एचएयू को तीसरा स्थान मिला है। रैंकिंग की घोषणा केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक के समापन अवसर पर की।

रैंकिंग में शामिल होने के लिए यह है प्रक्रिया : आइसीएआर द्वारा जारी इस रैंकिंग के लिए देश के सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था, जिसका परिणाम शनिवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने जारी किया।

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी रैंकिंग के लिए विभिन्न मापदंड तय किए जाते हैं। इसके लिए 64 राज्य कृषि विश्वविद्यालय, 3 केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय व 4 डीम्ड विवि व आइसीएआर के संस्थान शामिल हुए। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा के अलावा अवार्ड के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें शिक्षण, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा के लिए तीस-तीस, जबकि अवार्ड के लिए दस अंक तय किए गए थे।

इस बार अनुसंधान क्षेत्र का रहा अहम रोल

विश्वविद्यालय के रैंकिंग के नोडल अधिकारी प्रोफेसर रवि गुप्ता ने बताया कि आइसीएआर द्वारा तय मानकों में इस बार विश्वविद्यालय को अनुसंधान के क्षेत्र में सबसे अधिक अंक हासिल किए हैं। उन्होंने बताया कि इस रैंकिंग में अनुसंधान की गत तीन वर्षों की उपलब्धियों को शामिल किया गया था। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित करना, पेटेंट हासिल करना और नई-नई तकनीकों को विकसित करना शामिल था। इसके अलावा शिक्षण और विस्तार शिक्षा की पिछले एक वर्ष की उपलब्धियों को शामिल किया गया। गत वर्ष विस्तार शिक्षा में कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर को 'सर्वश्रेष्ठ जोनल कृषि विज्ञान केंद्र अवार्ड' से नवाजा गया था। इसी प्रकार विश्वविद्यालय को मिले विभिन्न अवार्ड के भी अंक जुड़े हैं।

इनकी रही खास भूमिका

रैंकिंग के लिए आवेदन करवाने में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में गठित कमेटी में मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डा. एम.एस. सिद्धपुरिया, विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आर.एस. हुड्डा, विस्तार शिक्षा के संयुक्त निदेशक डा. कृष्ण यादव, डा. सीमा परमार व आइसीएआर के नोडल अधिकारी डा. जितेंद्र भाटिया के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों एवं अधिष्ठाताओं का विशेष सहयोग रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक ..7..12..2020...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....3-5.....

चौ. चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार को 'सर्वश्रेष्ठ राज्य कृषि विश्वविद्यालय' के रूप में मिला तीसरा स्थान

चंडीगढ़, 6 दिसंबर (सवेरा ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को देश के 64 राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और 3 केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों में से ''सर्वश्रेष्ठ राज्य कृषि विश्वविद्यालय'' के रूप में तीसरा स्थान दिया गया है। वर्ष 2019 के लिए रैंकिंग परिणाम हाल ही में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, श्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), नई दिल्ली में सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति सम्मेलन के समापन समारोह में घोषित किया गया।

इस संबंध में जानकारी सांझा करते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इस रैंकिंग में विभिन्न केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, राज्य कृषि विश्वविद्यालय और आईसीएआर संस्थानों ने भाग लिया। हालांकि, विश्वविद्यालय को समग्र छठे स्थान पर रखा गया है (आईसीएआर संस्थानों, राज्य और देश में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों सहित)। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर समर सिंह ने इस उपलिब्ध के लिए सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों को बधाई दी।

प्रो. समर सिंह ने बताया कि यह रैंकिंग शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार उत्कृष्टता से संबंधित 33 मापदंडों के प्रदर्शन पर आधारित है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....समस्त हरियाणा.....

दिनांक .....पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

हकृवि देश के शीर्ष तीन कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की रैंकिंग में मिला तीसरा स्थान

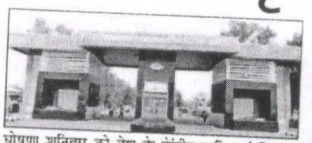

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक ओर उपलब्धि जुड़ गई है। अब विश्वविद्यालय देश के शीर्ष तीन राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल हो गया है। विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान मिला है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) रैंकिंग की घोषणा शनिवार को देश के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक के समापन अवसर पर की। आईसीएआर द्वारा जारी इस रैंकिंग के लिए देश के सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था,जिसका परिणाम शनिवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में जारी किया गया।

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा जारी रैंकिंग के लिए विभिन्न मापदण्ड तय किए जाते हैं। इस रैंकिंग के लिए विभिन्न केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, राज्य कृषि विश्वविद्यालय व डीम्ड विश्वविद्यालय/आईसीएआर के संस्थान शामिल हुए थे। इनमें 64 राज्य कृषि विश्वविद्यालय, 3 केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय व 4 डीम्ड विश्वविद्यालय/ आईसीएआर के संस्थान शामिल हुए। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा के अलावा अवार्ड के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें शिक्षण, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा के लिए तीस-तीस अंक जबकि अवार्ड के लिए दस अंक तय किए गए थे।

इस बार अनुसंधान क्षेत्र का रहा अहम रोल : विश्वविद्यालय के रैंकिंग के नोडल अधिकारी प्रोफेसर रवि गुप्ता ने बताया कि आईसीएआर द्वारा तय मानकों में इस बार विश्वविद्यालय को अनुसंधान के क्षेत्र में सबसे अधिक अंक हासिल किए हैं। उन्होंने बताया कि इस रैंकिंग में अनुसंधान की गत तीन वर्षों की उपलब्धियों को शामिल किया गया था। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित करना, पेटेंट हासिल करना और नई-नई तकनीकों को विकसित करना शामिल था। इसके अलावा शिक्षण और विस्तार शिक्षा की पिछले एक वर्ष की उपलब्धियों को शामिल किया गया। उन्होंने बताया कि गत वर्ष विस्तार शिक्षा में कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर को 'सर्वश्रेष्ठ जोनल कृषि विज्ञान केंद्र अवार्ड' से नवाजा गया था। इसी प्रकार विश्वविद्यालय को मिले विभिन्न अवार्ड के भी अंक जुड़े हैं।

इनकी रही खास भूमिका : रैंकिंग के लिए आवेदन करवाने में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में गठित रैंकिंग कमेटी में मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, विस्तार शिक्षा के संयुक्त निदेशक डॉ. कृष्ण यादव, डॉ. सीमा परमार व आईसीएआर के नोडल अधिकारी डॉ. जितेंद्र भाटिया के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों एवं अधिष्ठाताओं का विशेष सहयोग रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....देश बन्धु........

दिनांक 5.12.2020 पृष्ठ संख्या ......—...... कॉलम ......—......

चंडीगढ़, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। जननायक जनता पार्टी ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी के गठन के बाद अब प्रदेश स्तर पर कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं। पार्टी ने 11 प्रकोष्ठों का गठन करते हुए इन प्रकोष्ठों में 15 वरिष्ठ नेताओं को प्रभारी व प्रदेशाध्यक्ष के पद की कमान सौंपी गई हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.अजय सिंह चौटाला, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं पार्टी के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष दुष्यंत चौटाला, जेजेपी प्रदेशाध्यक्ष सरदार निशान सिंह व अन्य वरिष्ठ नेताओं ने विचार-विमर्श के बाद यह नई नियुक्तियों की सूची जारी की और नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी। जेजेपी ने हिसार निवासी शीला भ्याण को फिर से महिला प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी देते हुए प्रदेशाध्यक्ष बनाया हैं।

उपलब्धि | *चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि के नाम जुड़ी एक और उपलब्धि*

देश के शीर्ष तीन कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल हुआ एचएयू

हिसार,5 दिसम्बर (देशबन्धु)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक ओर उपलब्धि जुड़ गई है। अब विश्वविद्यालय देश के शीर्ष तीन राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल हो गया है। विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान मिला है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) रैंकिंग की घोषणा शनिवार को देश के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक के समापन अवसर पर की। आईसीएआर द्वारा जारी इस रैंकिंग के लिए देश के सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था,जिसका परिणाम शनिवार को भारतीय कृषि अनुसंधान

परिषद, नई दिल्ली में जारी किया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा जारी रैंकिंग के लिए विभिन्न मापदण्ड तय किए जाते हैं। इस रैंकिंग के लिए विभिन्न केंद्रीय कृषि विवि, राज्य कृषि विश्वविद्यालय व डीम्ड विश्वविद्यालय/आईसीएआर के संस्थान शामिल हुए थे। इनमें 64 राज्य कृषि विश्वविद्यालय, 3 केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय व 4 डीम्ड विश्वविद्यालय/ आईसीएआर के संस्थान शामिल हुए। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा के अलावा अवार्ड के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें शिक्षण, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा के लिए तीस-तीस अंक जबकि अवार्ड के लिए दस अंक तय किए गए थे।

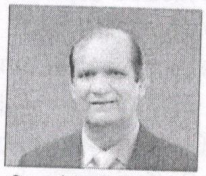

इस बार अनुसंधान क्षेत्र का रहा अहम रोल

विश्वविद्यालय के रैंकिंग के नोडल अधिकारी प्रोफेसर रवि गुप्ता ने बताया कि आईसीएआर द्वारा तय मानकों में इस बार विश्वविद्यालय को अनुसंधान के क्षेत्र में सबसे अधिक अंक हासिल किए हैं। उन्होंने बताया कि इस रैंकिंग में अनुसंधान की गत तीन वर्षों की उपलब्धियों को शामिल किया गया था। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित करना, पेटेंट हासिल करना और नई-नई तकनीकों को विकसित करना शामिल था। इसके अलावा शिक्षण और विस्तार शिक्षा की पिछले एक वर्ष की उपलब्धियों को शामिल किया गया। रैंकिंग के लिए आवेदन करवाने में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में गठित रैंकिंग कमेटी में मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुडडा, विस्तार शिक्षा के संयुक्त निदेशक डॉ. कृष्ण यादव, डॉ. सीमा परमार व आईसीएआर के नोडल अधिकारी डॉ. जितेंद्र भाटिया के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों एवं अधिष्ठाताओं का विशेष सहयोग रहा।

विवि की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान : समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली नित्त उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है। इसके लिए विश्वविद्यालय के सभी वैज्ञानिक, शिक्षक, विद्यार्थी और स्टाफ सदस्य जो एक परिवार की तरह टीम भावना से काम करते हैं, बधाई के पात्र हैं। उनकी मेहनत का ही परिणाम है कि आज विश्वविद्यालय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी रैंकिंग में देशभर के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में तीसरे स्थान पर रहा है। भविष्य में ओर अधिक मेहनत कर विश्वविद्यालय को शीर्ष स्थान हासिल करना प्राथमिकता रहेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... [illegible] ....

दिनांक 5.12.202– पृष्ठ संख्या ...—... कॉलम ...—...

सराहनीय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की रैंकिंग में मिला तीसरा स्थान

तीन कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल हुआ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

राजेश्वर बैनीवाल

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। अब विश्वविद्यालय देश के शीर्ष तीन राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल हो गया है। विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान मिला है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) रैंकिंग की घोषणा शनिवार को देश के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक के समापन अवसर पर की। आईसीएआर द्वारा जारी इस रैंकिंग के लिए देश के

सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था, जिसका परिणाम शनिवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में जारी किया गया।

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा जारी रैंकिंग के लिए विभिन्न मापदंड तय किए जाते है। इस रैंकिंग के लिए विभिन्न केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, राज्य कृषि विश्वविद्यालय व डीम्ड विश्वविद्यालय/ आईसीएआर के संस्थान शामिल हुए थे। इनमें 64 राज्य कृषि विश्वविद्यालय, 3 केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय व 4 डीम्ड विश्वविद्यालय/ आईसीएआर के संस्थान शामिल हुए।

इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा के अलावा अवार्ड के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें शिक्षण, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा के लिए तीस-तीस अंक जबकि अवार्ड के लिए दस अंक तय किए गए थे।

इस बार अनुसंधान क्षेत्र का रहा अहम रोल

विश्वविद्यालय के रैंकिंग के नोडल अधिकारी प्रो. रवि गुप्ता ने बताया कि आईसीएआर द्वारा तय मानकों में इस बार विश्वविद्यालय को अनुसंधान के क्षेत्र में सबसे अधिक अंक हासिल किए हैं। उन्होंने बताया कि इस रैंकिंग में अनुसंधान की गत तीन वर्षों की उपलब्धियों को शामिल किया गया था। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित करना, पेटेंट हासिल करना और नई-नई तकनीकों को विकसित करना शामिल था। इसके अलावा शिक्षण और विस्तार शिक्षा की पिछले एक वर्ष की उपलब्धियों को शामिल किया गया। उन्होंने बताया कि गत वर्ष विस्तार शिक्षा में कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर को 'सर्वश्रेष्ठ जोनल कृषि विज्ञान केंद्र अवार्ड' से नवाजा गया था। इसी प्रकार विश्वविद्यालय को मिले विभिन्न अवार्ड के भी अंक जुड़े हैं।

इनकी रही खास भूमिका

रैंकिंग के लिए आवेदन करवाने में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह के मार्गदर्शन में गठित रैंकिंग कमेटी में मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा, विस्तार शिक्षा के संयुक्त निदेशक डॉ. कृष्णा यादव, डॉ. सीमा परमार व आईसीएआर के नोडल अधिकारी डॉ. जितेंद्र भाटिया के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों एवं अधिष्ठाताओं का विशेष सहयोग रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........

दिनांक 6.12.2020......पृष्ठ संख्या......2......कॉलम......2-4......

हकृवि आईसीएआर की रैंकिंग में एक स्थान फिसलकर तीसरे स्थान पर पहुंचा

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) आईसीएआर की रैंकिंग में एक स्थान फिसलकर तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। इससे पहले वर्ष 2018 की रैंकिंग में विश्वविद्यालय को देश भर में दूसरा स्थान हासिल हुआ था। आईसीएआर 2019 रैंकिंग की घोषणा शनिवार को देश के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक के समापन अवसर पर की।

बता दें कि आईसीएआर द्वारा जारी इस रैंकिंग के लिए देश के सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसका परिणाम शनिवार को आईसीएआर नई दिल्ली में जारी किया गया। इस रैंकिंग के लिए 64 राज्य कृषि विश्वविद्यालय, तीन केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय व चार डीम्ड विश्वविद्यालय/आईसीएआर के संस्थान शामिल हुए थे।

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग : इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा के अलावा अवॉर्ड के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें शिक्षण, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा के लिए तीस-तीस अंक, जबकि अवॉर्ड के लिए दस अंक तय किए गए थे। रैंकिंग तय के दौरान अनुसंधान की गत तीन वर्षों की उपलब्धियों को शामिल किया गया, जिनमें विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित करना, पेटेंट हासिल करना और नई तकनीकों को विकसित करना शामिल था। इसके अलावा शिक्षण और विस्तार शिक्षा की पिछले एक वर्ष की उपलब्धियों को शामिल किया गया।

वर्ष 2018 की रैंकिंग में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मिला था दूसरा स्थान

"अभी आईसीएआर की तरफ से नंबर जारी नहीं किए गए हैं। हालांकि जो विवि दूसरे नंबर पर है, उसके व हमारे अंकों में ज्यादा फर्क नहीं होगा। वर्ष 2017 में हम 18वें स्थान पर थे। उस लिहाज से इस बार हमारी काफी अच्छी रैंकिंग आई है। वैसे नंबर जारी होने पर पता चलेगा कि किस क्षेत्र में हमारे अंक कटे हैं। उसमें हम और सुधार करेंगे।

-प्रो. समर सिंह, कुलपति, एचएयू।

इस साल ये रही उपलब्धि : पिछले दिनों विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंट्स में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में हकृवि ने प्रथम स्थान हासिल किया था। इसके अलावा केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को देशभर में 49वां स्थान व प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 6.12.22.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....6.7.....

अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के अनुरूप उत्पादों की गुणवत्ता बनाएं : सीमा

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डेवलेपमेंट इंकम्पासिंग एग्री बिजनेस इनवेस्टर्स मीट के समापन के अवसर पर इन्वेस्टर्स व स्टार्टअप्स के बीच तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इन्वेस्टर्स ने स्टार्टअप्स को उनके नवीनतम आइडिया को एक बिजनेस में बदलने के तौर-तरीकों को लेकर विचार विमर्श किया। इस मीट का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में कृषि व इससे संबंधित व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए किया गया। इस मीट में देशभर के इनवेस्टर्स, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ व विवि के वैज्ञानिक स्टार्टअप्स से रूबरू हुए।

एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने बताया कि इसका आयोजन एबिक के चयनित एग्री स्टार्टअप्स को बिजनेस, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा उनके व्यवसाय के समक्ष आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान के लिए किया गया। इस मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने मुख्यातिथि, मुख्य वक्ताओं, प्रतिभागियों, इनवेस्टर्स का कार्यक्रम में भाग लेने पर आभार व्यक्त किया।

बाजार की डिमांड के अनुसार काम करें स्टार्टअप्स

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इनवेस्टर्स मीट में विभिन्न क्षेत्रों के देशभर से शामिल हुए निवेशकों ने स्टार्टअप्स से कहा कि वे अपने व्यवसाय में मौजूदा समय की जरूरत व बाजार की डिमांड के अनुसार आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करें। मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने बताया कि निवेशकों ने स्टार्टअप्स से कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रख कर अपने उत्पादों की गुणवत्ता को ओर बेहतर बनाएं। मीट के सह-संयोजक अर्पित तनेजा ने बताया कि स्टार्टअप्स को उनकी नवीनतम तकनीकों को पेटेंट करवाने पर भी जोर दिया ताकि उनका उस चीज पर एकाधिकार बना रहे। मीट में मुंबई से ओमनीवोर कैपीटल समुह के शुभादीप सान्याल, बेंगलुरु से अंकुर कैपिटल के श्रेयश सिंघल, इंडियन एंजल्स नेटवर्क के उदय चटर्जी, युनुस सोशल बिजनेस समूह के निवेशक सिपिका निगम, बिग हाट एग्रो की को-फाउंडर सचिन नंदवाना सहित एबिक के स्टार्टअप्स व टीम सदस्यों ने हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 6.12.2020 पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5-7.....

'नवीनतम आइडिया को व्यवसाय में बदलने पर हुआ मंथन'

व्यापारिक दृष्टिकोण से सुदृढ़ बनाने को लेकर इन्वैस्टर्स व स्टार्टअप्स के बीच हुए तकनीकी सत्र

इन्वैस्टर्स मीट के दौरान उपस्थित एबिक टीम सदस्य।

हिसार, 5 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डिवैल्पमैंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनैस इन्वैस्टर्स मीट के समापन अवसर पर इन्वैस्टर्स व स्टार्टअप्स के बीच तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इस दौरान इन्वैस्टर्स ने स्टार्टअप्स को उनके नवीनतम आइडिया को एक बिजनैस में बदलने के तौर-तरीकों को लेकर विचार-विमर्श किया। इस मीट का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह के मार्गदर्शन में कृषि व इससे संबंधित व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए किया गया, जिसमें देशभर के इन्वैस्टर्स, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक स्टार्टअप्स से रूबरू हुए। नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने बताया कि इस इन्वैस्टर्स मीट का आयोजन एबिक के चयनित एग्री स्टार्ट-अप्स को बिजनैस, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा उनके व्यवसाय के समक्ष आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान के लिए किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... दैनिक ट्रिब्यून ....

दिनांक 6.12.2020 पृष्ठ संख्या 7 कॉलम 1-2

नवीनतम आइडिया को व्यवसाय में बदलने पर हुआ मंथन

इन्वेस्टर्स मीट के दौरान उपस्थित एबिक टीम सदस्य व कार्यक्रम में रू-ब-रू होते इन्वेस्टर्स व स्टार्टअप्स।

हिसार, (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डेवलेपमेंट इंकम्पॉसिंग एग्रीबिजनेस इनवेस्टर्स मीट के समापन अवसर पर इन्वेस्टर्स व स्टार्टअप्स के बीच तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इस दौरान इन्वेस्टर्स ने स्टार्टअप्स को उनके नवीनतम आइडिया को एक बिजनेस में बदलने के तौर-तरीकों को लेकर विचार विमर्श किया। इस मीट का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में कृषि व इससे संबंधित व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए किया गया। इस मीट में देशभर के इनवेस्टर्स, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक स्टार्टअप्स से रूबरू हुए। एबिक सैंटर की नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने बताया कि इस इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन एबिक के चयनित एग्री स्टार्ट-अप्स को बिजनेस, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा उनके व्यवसाय के समक्ष आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान के लिए किया गया। इस इन्वेस्टर्स मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने मुख्यातिथि, मुख्य वक्ताओं, प्रतिभागियों, इनवेस्टर्स व स्टार्टअप्स का कार्यक्रम में भाग लेने पर धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि एबिक टीम द्वारा इस मीट के सफल आयोजन के लिए विशेष सहयोग रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक ..6..12..2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....3-8.....

एचएयू में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट का समापन, इन्वेस्टर्स व स्टार्टअप्स के बीच हुए तकनीकी सत्र

नवीनतम आइडिया को व्यवसाय में बदलने पर दिया जोर

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डेवलेपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस इनवेस्टर्स मीट के समापन अवसर पर इन्वेस्टर्स व स्टार्टअप्स के बीच तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इस दौरान इन्वेस्टर्स ने स्टार्टअप्स को उनके नवीनतम आइडिया को एक बिजनेस में बदलने के तौर-तरीकों को लेकर विचार विमर्श किया। इस मीट का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में कृषि व इससे संबंधित व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए किया गया। इस मीट में देशभर के इनवेस्टर्स, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक स्टार्टअप्स से रूबरू हुए। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन एबिक के चयनित एग्री स्टार्ट-अप्स को बिजनेस, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा उनके व्यवसाय के समक्ष आने वाली चनौतियों और उनके समाधान के लिए किया गया।

समय की जरूरत और बाजार की डिमांड के अनुसार काम करें: डॉ. सीमा रानी

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इनवेस्टर्स मीट में विभिन्न क्षेत्रों के देशभर से शामिल हुए निवेशकों ने स्टार्टअप्स से रूबरू होते हुए कहा कि वे अपने व्यवसाय में मौजूदा समय की जरूरत व बाजार की डिमांड के अनुसार आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करें। साथ ही समय-समय पर नई-नई प्रौद्योगिकी से अपडेट भी होते रहें। मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने बताया कि निवेशकों ने स्टार्टअप्स से कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर अपने उत्पादों की गुणवत्ता को ओर बेहतर बनाएं । मीट के सह-संयोजक अर्पित तनेजा ने बताया कि मीट में स्टार्टअप्स को उनकी नवीनतम तकनीकों को पेटेंट करवाने पर भी जोर दिया । इस मीट में मुंबई से शुभादीप सान्याल, बैंगलोर से श्रेयश सिंघल, उदय चटर्जी, सिपिका निगम, नंदवाना, सिद्धार्थ, सुमित , अमन ढाल, डॉ. रूशकी महल, सौरभ त्रिवेदी एबिक टीम सदस्यों ने हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........

दिनांक 6.12.2020....पृष्ठ संख्या.....4.......कॉलम.....5......

नवीनतम विचार को व्यवसाय में बदलने पर हुआ मंथन

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एबिक (एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर) में आइडिया डेवलपमेंट इनकंपासिंग एग्री बिजनेस इन्वेस्टर्स मीट के समापन पर शनिवार को इन्वेस्टर्स व स्टार्टअप के बीच तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इस दौरान इन्वेस्टर्स ने स्टार्टअप को उनके नवीनतम आइडिया को एक व्यवसाय में बदलने के तौर-तरीकों को लेकर विचारविमर्श किया। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन एबिक के चयनित एग्री स्टार्टअब को बिजनेस, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा उनके व्यवसाय के समक्ष आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान के लिए किया गया। मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने बताया कि निवेशकों ने स्टार्टअप से कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर अपने उत्पादों की गुणवत्ता को ओर बेहतर बनाएं। मीट के सहसंयोजक अर्पित तनेजा ने बताया कि मीट में स्टार्टअप को उनकी नवीनतम तकनीकों को पेटेंट करवाने पर भी जोर दिया। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......अमर उजाला.......

दिनांक 6.12.2022 पृष्ठ संख्या.....4..... कॉलम.....3-5.....

देश की दूसरी हरित क्रांति में महिलाओं की सहभागिता जरूरी : प्रो. समर सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। अगर हम देश में दूसरी हरित क्रांति लाना चाहते हैं तो कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका व उनकी सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी। इसके लिए महिला किसानों को प्रोत्साहन व वित्तीय सुविधा प्रदान करना जरूरी है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित महिला किसान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने की।

कृषक महिलाओं ने साझा किए विचार

कार्यक्रम के दौरान फतेहाबाद जिले की प्रगतिशील महिला किसान सिमरजीत कौर ने केंचुआ खाद- एक व्यवसाय एवं खाद्य सुरक्षा पर अपन विचार साझा किए व अन्य महिलाओं को भी जैविक खेती अपनाने पर बल दिया। किसान नरेंद्र ने महिलाओं से विभिन्न सब्जियों की पंजीरी तैयार करने के अनुभव के साथ-साथ कृषि व्यवसाय से अधिक से अधिक मुनाफा हासिल करने को लेकर भी विचारविमर्श किया। गैर सरकारी संगठन से जुड़ी पुष्पा रानी ने कहा कि महिलाएं गृह वाटिका, बीज तैयार कर व घरेलू खाद्य उत्पादन से अपनी आय उपार्जित कर सकती हैं। डॉ. वीनू सांगवान ने गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुषमा कौशिक व डॉ. राजेश दहिया ने किया। इस कार्यक्रम में प्रदेश की करीब 200 कृषक महिलाओं ने अपने खेती-बाड़ी संबंधी अनुभवों को साझा किया।

कार्यक्रम में मौजूद कुलपति प्रो. समर सिंह।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........समस्त हरियाणा........

दिनांक ...5.12.2020... पृष्ठ संख्या.......—....... कॉलम.......—.......

देश की दूसरी हरित क्रांति में महिलाओं की सहभागिता जरूरी : प्रो. समर

वीसी बोले, उचित अवसर मिलें तो देश के विकास का परिदृश्य बदल सकती हैं महिलाएं

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। अगर हम देश में दूसरी हरित क्रांति लाना चाहते हैं तो कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका व उनकी सहभागिता को सुनिश्चित करना होगा। इसके लिए महिला किसानों को प्रोत्साहन व वित्तिय सुविधा प्रदान करना जरूरी है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित महिला किसान दिवस के अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने की। कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि आज देश की कुल आबादी में आधा हिस्सा महिलाओं का है, इसके बावजूद खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं अभी भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं।

कुलपति ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए कृषि के क्षेत्र में उनके योगदान को न केवल सराहा जाना चाहिए बल्कि उन्हें अधिक से अधिक किसानों के लिए आमंत्रित भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों का मानना है कि अगर कृषि क्षेत्र में महिलाओं को बराबर का दर्जा मिले तो फसल उत्पादन में बढ़ोत्तरी हो सकती है, भूख और कुपोषण को भी रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसी दिशा में ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने व उन्हें स्वरोजगार स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों, गृह विज्ञान महाविद्यालय व सायना नेहवाल संस्थान की ओर से अनेक प्रशिक्षण प्रदान किए जा रहे हैं।

डॉ. बीना यादव ने सभी वक्ताओं व श्रोताओं का धन्यवाद किया।

कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शुष्मा कौशिक व डॉ. राजेश दहिया ने किया। इस कार्यक्रम में प्रदेश की करीब 200 कृषक महिलाएं जिन्होंने इस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है, अपने खेती-बाड़ी संबंधी अनुभवों को सांझा किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष के अलावा होम साइंस कॉलेज की शिक्षकों व विभिन्न गांवों की महिलाओं ने ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से हिस्सा लिया।

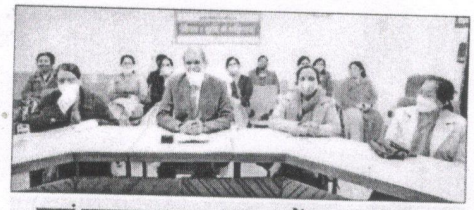

स्वयं सहायता समूह बनाकर करें काम : पुष्पा रानी

गैर सरकारी संगठन से जुड़ी पुष्पा रानी ने महिलाओं से स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि वे गृह वाटिका, बीज तैयार कर व घरेलू खाद्य उत्पादन से अपनी आय उपार्जित कर सकती हैं। डॉ. वीनू सांगवान ने मोटे अनाज का प्रसंस्करण व पौष्टिकता पर व्याख्यान देते हुए गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी दी।

कृषक महिलाओं को जैविक खेती अपनाने पर दिया जोर

डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि देश भर के समस्त कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों में महिला किसान दिवस आयोजित करने का उद्देश्य कृषि में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाना है। कार्यक्रम के दौरान फतेहबाद जिले की प्रगतिशील महिला किसान सिमरजीत कौर ने केंचुआ खाद-एक व्यवसाय एवं खाद्य सुरक्षा पर अपन विचार सांझा किए व अन्य महिलाओं को भी जैविक खेती अपनाने पर बल दिया। किसान नरेंद्र ने महिलाओं को विविधिकरण अपनाने की सलाह दी। उन्होंने महिलाओं से विभिन्न सब्जियों की पंजीरी तैयार करने के अनुभव के साथ-साथ कृषि व्यवसाय से अधिक से अधिक मुनाफा हासिल करने को लेकर भी विचार-विमर्श किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... पांच बजे ....
दिनांक 5.12.2020 पृष्ठ संख्या ...... कॉलम ......

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट का समापन

नवीनतम आइडिया को व्यवसाय में बदलने पर हुआ मंथन

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डेवलपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस (द्बष्ठश्व) इनवेस्टर्स मीट के समापन अवसर पर इन्वेस्टर्स व स्टार्टअप्स के बीच तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इस दौरान इन्वेस्टर्स ने स्टार्टअप्स को उनके नवीनतम आइडिया को एक बिजनेस में बदलने के तौर-तरीकों को लेकर विचार विमर्श किया। इस मीट का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में कृषि व इससे संबंधित व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए किया गया। इस मीट में देशभर के इनवेस्टर्स, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक स्टार्टअप्स से रूबरू हुए। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन एबिक के चयनित एग्री स्टार्ट-अप्स को बिजनेस, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा उनके व्यवसाय के समक्ष आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान के लिए किया गया। इस इन्वेस्टर्स मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने मुख्यातिथि, मुख्य वक्ताओं, प्रतिभागियों, इनवेस्टर्स व स्टार्टअप्स का कार्यक्रम में भाग लेने पर धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि एबिक टीम द्वारा इस मीट के सफल आयोजन के लिए विशेष सहयोग रहा।

समय की जरूरत व बाजार की डिमांड अनुसार काम करें स्टार्टअप्स

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इनवेस्टर्स मीट में विभिन्न क्षेत्रों के देशभर से शामिल हुए निवेशकों ने स्टार्टअप्स से रूबरू होते हुए कहा कि वे अपने व्यवसाय में मौजूदा समय की जरूरत व बाजार की डिमांड के अनुसार आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करें। साथ ही समय-समय पर नई-नई प्रौद्योगिकी से अपडेट भी होते रहें। मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने बताया कि निवेशकों ने स्टार्टअप्स से कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर अपने उत्पादों की गुणवत्ता को ओर बेहतर बनाएं ताकि व्यापार को व्यापक स्तर पर पहचान मिल सके। मीट के सह-संयोजक अर्पित तनेजा ने बताया कि मीट में स्टार्टअप्स को उनकी नवीनतम तकनीकों को पेटेंट करवाने पर भी जोर दिया ताकि उनका उस चीज पर एकाधिकार बना रहे।

इस मीट में मुंबई से ओमनीवोर कैपीटल समुह के शुभादीप सान्याल, बैंगलोर से अंकुर कैपीटल के श्रेयश सिंघल, इंडियन एंजल्स नेटवर्क के उदय चटर्जी, युनुस सोशल बिजनेस समुह के वरिष्ठ निवेशक सिपिका निगम, बिग हाट एग्रो के कॉ-फाउंडर सचिन नंदवाना, सिद्धार्थ नटराजन, सुमित सर्राफ, अमन ढाल, डॉ. रूशकी महल, सौरभ त्रिवेदी सहित एबिक के स्टार्टअप्स व एबिक टीम सदस्यों ने हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पांच बजे........

दिनांक 5.12.2020 पृष्ठ संख्या........—........कॉलम........—........

एचएयू के होम साइंस कॉलेज में महिला किसान दिवस के अवसर पर व्यक्त किए विचार

उचित अवसर मिलें तो देश के विकास का परिदृश्य बदल सकती हैं महिलाएं : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

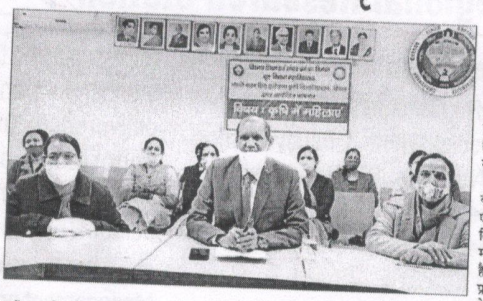

हिसार। अगर हम देश में दूसरी हरित क्रांति लाना चाहते हैं तो कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका व उनकी सहभागिता को सुनिश्चित करना होगा। इसके लिए महिला किसानों को प्रोत्साहन व वित्तिय सुविधा प्रदान करना जरूरी है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित महिला किसान दिवस के अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने की। कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि आज देश की कुल आबादी में आधा हिस्सा महिलाओं का है, इसके बावजूद खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं अभी भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। कुलपति ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए कृषि के क्षेत्र में उनके योगदान को न केवल सराहा जाना चाहिए बल्कि उन्हें अधिक से अधिक किसानी के लिए आमंत्रित भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों का मानना है कि अगर कृषि क्षेत्र में महिलाओं को बराबर का दर्जा मिले तो फसल उत्पादन में बढ़ोत्तरी हो सकती है, भूख और कुपोषण को भी रोका जा सकता है। इसके अलावा ग्रामीण आजीविका में सुधार होगा, जिसका लाभ पूरे परिवार व समाज को होगा। सरकार की विभिन्न नीतियां जैसे जैविक खेती, स्वरोजगार योजना, भारतीय कौशल विकास योजना इत्यादि में महिलाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इसी दिशा में ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने व उन्हें स्वरोजगार स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों, गृह विज्ञान महाविद्यालय व सायना नेहवाल संस्थान की ओर से अनेक प्रशिक्षण प्रदान किए जा रहे हैं। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएं अपना स्वयं का व्यवसाय भी शुरू कर सकती हैं। इससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है।

कृषक महिलाओं ने सांझा किए विचार

डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि देश भर के समस्त कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों में महिला किसान दिवस आयोजित करने का उद्देश्य कृषि में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाना है। कार्यक्रम के दौरान फतेहबाद जिले की प्रगतिशील महिला किसान सिमरजीत कौर ने केंचुआ खाद-एक व्यवसाय एवं खाद्य सुरक्षा पर अपन विचार सांझा किए व अन्य महिलाओं को भी जैविक खेती अपनाने पर बल दिया। किसान नरेंद्र ने महिलाओं को विविधिकरण अपनाने की सलाह दी। उन्होंने महिलाओं से विभिन्न सब्जियों की पंजीरी तैयार करने के अनुभव के साथ-साथ कृषि व्यवसाय से अधिक से अधिक मुनाफा हासिल करने को लेकर भी विचार-विमर्श किया।

स्वयं सहायता समूह बनाकर करें काम

गैर सरकारी संगठन से जुड़ी पुष्पा रानी ने महिलाओं से स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि वे गृह वाटिका, बीज तैयार कर व घरेलू खाद्य उत्पादन से अपनी आय उपार्जित कर सकती हैं। डॉ. वीनू सांगवान ने मोटे अनाज का प्रसंस्करण व पौष्टिकता पर व्याख्यान देते हुए गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी दी। डॉ. बीना यादव ने सभी वक्ताओं व श्रोताओं का धन्यवाद किया। कार्यक्रमा का संयोजन डॉ. शुष्मा कौशिक व डॉ. राजेश दहिया ने किया। इस कार्यक्रम में प्रदेश की करीब 200 कृषक महिलाएं जिन्होंने इस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है, अपने खेती-बाड़ी संबंधी अनुभवों को सांझा किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष के अलावा होम साइंस कॉलेज की शिक्षकों व विभिन्न गांवों की महिलाओं ने ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........नभ-छोर........

दिनांक 5.12.2020 पृष्ठ संख्या........—........कॉलम........—........

कृषि क्षेत्र में महिलाओं को बराबर का दर्जा मिले तो फसल उत्पादन में बढ़ौतरी हो सकती है: कुलपति

हिसार/05 दिसंबर/रिपोर्टर

अगर हम देश में दूसरी हरित क्रांति लाना चाहते हैं तो कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका व उनकी सहभागिता को सुनिश्चित करना होगा। इसके लिए महिला किसानों को प्रोत्साहन व वित्तिय सुविधा प्रदान करना जरूरी है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कही। वे गृह विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित महिला किसान दिवस को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने की। मुख्यातिथि ने कहा कि आज देश की कुल आबादी में आधा हिस्सा महिलाओं का है, इसके बावजूद खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं अभी भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। कुलपति ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए कृषि के क्षेत्र में उनके योगदान को न केवल सराहा जाना चाहिए बल्कि उन्हें अधिक से अधिक किसानी के लिए आमंत्रित भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों का मानना है कि अगर कृषि क्षेत्र में महिलाओं को बराबर का दर्जा मिले तो फसल उत्पादन में बढ़ौतरी हो सकती है,

भूख और कुपोषण को भी रोका जा सकता है। इसके अलावा ग्रामीण आजीविका में सुधार होगा, जिसका लाभ पूरे परिवार व समाज को होगा। सरकार की विभिन्न नीतियां जैसे जैविक खेती, स्वरोजगार योजना, भारतीय कौशल विकास योजना इत्यादि में महिलाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इसी दिशा में ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने व उन्हें स्वरोजगार स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों, गृह विज्ञान महाविद्यालय व सायना नेहवाल संस्थान की ओर से अनेक प्रशिक्षण प्रदान किए जा रहे हैं। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएं अपना स्वयं का व्यवसाय भी शुरू कर सकती हैं। इससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि देश भर के समस्त कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों में महिला किसान दिवस आयोजित करने का उद्देश्य कृषि में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाना है। कार्यक्रम के दौरान फतेहबाद जिले की प्रगतिशील महिला किसान सिमरजीत कौर ने केंचुआ खाद-एक व्यवसाय एवं खाद्य सुरक्षा पर अपने विचार सांझा किए व अन्य महिलाओं को भी जैविक खेती अपनाने पर बल दिया। किसान नरेंद्र ने महिलाओं को विविधिकरण अपनाने की सलाह दी। उन्होंने महिलाओं से विभिन्न सब्जियों की पंजीरी तैयार करने के अनुभव के साथ-साथ कृषि व्यवसाय से अधिक से अधिक मुनाफा हासिल करने को लेकर भी विचार-विमर्श किया। गैर सरकारी संगठन से जुड़ी पुष्पा रानी ने महिलाओं से स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि वे गृह वाटिका, बीज तैयार कर व घरेलू खाद्य उत्पादन से अपनी आय उपार्जित कर सकती हैं। डॉ. वीनू सांगवान ने मोटे अनाज का प्रसंस्करण व पौष्टिकता पर व्याख्यान देते हुए गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी दी। डॉ. बीना यादव ने सभी वक्ताओं व श्रोताओं का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुषमा कौशिक व डॉ. राजेश दहिया ने किया। इस कार्यक्रम में प्रदेश की करीब 200 कृषक महिलाएं जिन्होंने इस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है, ने अपने खेती-बाड़ी संबंधी अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष के अलावा होम साइंस कॉलेज की शिक्षकों व विभिन्न गांवों की महिलाओं ने ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......पाठक पक्ष.......

दिनांक 5.12.2022 पृष्ठ संख्या........—........ कॉलम........—........

उचित अवसर मिलें तो देश के विकास का परिदृश्य बदल सकती हैं महिलाएं : प्रोफेसर समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 5 दिसम्बर : अगर हम देश में दूसरी हरित क्रांति लाना चाहते हैं तो कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका व उनकी सहभागिता को सुनिश्चित करना होगा। इसके लिए महिला किसानों को प्रोत्साहन व वित्तिय सुविधा प्रदान करना जरूरी है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित महिला किसान दिवस के अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने की। कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि आज देश की कुल आबादी में आधा हिस्सा महिलाओं का है, इसके बावजूद खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं अभी भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। कुलपति ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए कृषि के क्षेत्र में उनके योगदान को न केवल सराहा जाना चाहिए बल्कि उन्हें अधिक से अधिक किसानी के लिए आमंत्रित भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों का मानना है कि अगर कृषि क्षेत्र में महिलाओं को बराबर का दर्जा मिले तो फसल उत्पादन में बढ़ोत्तरी हो सकती है, भूख और कुपोषण को भी रोका जा सकता है। इसके अलावा ग्रामीण आजीविका में सुधार होगा, जिसका लाभ पूरे परिवार व समाज को होगा। सरकार की विभिन्न नीतियां जैसे जैविक खेती, स्वरोजगार योजना, भारतीय कौशल विकास योजना इत्यादि में महिलाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इसी दिशा में ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने व उन्हें स्वरोजगार स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों, गृह विज्ञान महाविद्यालय व सायना नेहवाल संस्थान की ओर से अनेक प्रशिक्षण प्रदान किए जा रहे हैं। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएं अपना स्वयं का व्यवसाय भी शुरू कर सकती हैं। इससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि देश भर के समस्त कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों में महिला किसान दिवस आयोजित करने का उद्देश्य कृषि में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाना है। कार्यक्रम के दौरान फतेहबाद जिले की प्रगतिशील महिला किसान सिमरजीत कौर ने केंचुआ खाद-एक व्यवसाय एवं खाद्य सुरक्षा पर अपन विचार सांझा किए व अन्य महिलाओं को भी जैविक खेती अपनाने पर बल दिया। किसान नरेंद्र ने महिलाओं को विविधिकरण अपनाने की सलाह दी। उन्होंने महिलाओं से विभिन्न सब्जियों की पंजीरी तैयार करने के अनुभव के साथ-साथ कृषि व्यवसाय से अधिक से अधिक मुनाफा हासिल करने को लेकर भी विचार-विमर्श किया। गैर सरकारी संगठन से जुड़ी पुष्पा रानी ने महिलाओं से स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर काम करने का आहवान करते हुए कहा कि वे गृह वाटिका, बीज तैयार कर व घरेलू खाद्य उत्पादन से अपनी आय उपार्जित कर सकती हैं। डॉ. वीनू सांगवान ने मोटे अनाज का प्रसंस्करण व पौष्टिकता पर व्याख्यान देते हुए गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी दी। डॉ. बीना यादव ने सभी वक्ताओं व श्रोताओं का धन्यवाद किया। कार्यक्रमा का संयोजन डॉ. शुष्मा कौशिक व डॉ. राजेश दहिया ने किया। इस कार्यक्रम में प्रदेश की करीब 200 कृषक महिलाएं जिन्होंने इस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है, अपने खेती-बाड़ी संबंधी अनुभवों को सांझा किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष के अलावा होम साइंस कॉलेज की शिक्षकों व विभिन्न गांवों की महिलाओं ने ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......सिटी पल्स......

दिनांक 5.12.2020 पृष्ठ संख्या ...—... कॉलम ...—...

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट का समापन

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डेवलपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस इनवेस्टर्स मीट के समापन अवसर पर इन्वेस्टर्स व स्टार्टअप्स के बीच तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इस दौरान इन्वेस्टर्स ने स्टार्टअप्स को उनके नवीनतम आइडिया को एक बिजनेस में बदलने के तौर-तरीकों को लेकर विचार विमर्श किया। इस मीट में देशभर के इनवेस्टर्स, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक स्टार्टअप्स से रूबरू हुए। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन एबिक के चयनित एग्री स्टार्ट-अप्स को बिजनेस, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा उनके व्यवसाय के समक्ष आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान के लिए किया गया। इस इन्वेस्टर्स मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने मुख्यातिथि, मुख्य वक्ताओं, प्रतिभागियों, इनवेस्टर्स व स्टार्टअप्स का कार्यक्रम में भाग लेने पर धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि एबिक टीम द्वारा इस मीट के सफल आयोजन के लिए विशेष सहयोग रहा।

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इनवेस्टर्स मीट में विभिन्न क्षेत्रों के देशभर से शामिल हुए निवेशकों ने स्टार्टअप्स से रूबरू होते हुए कहा कि वे अपने व्यवसाय में मौजूदा समय की जरूरत व बाजार की डिमांड के अनुसार आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करें। सह-संयोजक अर्पित तनेजा ने बताया कि मीट में स्टार्टअप्स को उनकी नवीनतम तकनीकों को पेटेंट करवाने पर भी जोर दिया ताकि उनका उस चीज पर एकाधिकार बना रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... सिटी पल्स ....

दिनांक 5.12.202.. पृष्ठ संख्या ..... — ..... कॉलम ..... — .....

कार्यक्रम होम साइंस कॉलेज में महिला किसान दिवस पर व्यक्त किए विचार

उचित अवसर मिले तो देश के विकास का परिदृश्य बदल सकती हैं महिलाएं : कुलपति

हिसार। महिला किसान कृषक दिवस के अवसर पर संबोधित करते कुलपति प्रो. समर सिंह व मौजूद अन्य।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। अगर हम देश में दूसरी हरित क्रांति लाना चाहते हैं तो कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका व उनकी सहभागिता को सुनिश्चित करना होगा। इसके लिए महिला किसानों को प्रोत्साहन व वित्तिय सुविधा प्रदान करना जरूरी है। उक्त विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित महिला किसान दिवस के अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यातिथि ने कहा कि आज देश की कुल आबादी में आधा हिस्सा महिलाओं का है, इसके बावजूद खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं अभी भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं।

कुलपति ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए कृषि के क्षेत्र में उनके योगदान को न केवल सराहा जाना चाहिए बल्कि उन्हें अधिक से अधिक किसानी के लिए आमंत्रित भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों का मानना है कि अगर कृषि क्षेत्र में महिलाओं को बराबर का दर्जा मिले तो फसल उत्पादन में बढ़ोत्तरी हो सकती है, भूख और कुपोषण को भी रोका जा सकता है।

डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि देश भर के समस्त कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों में महिला किसान दिवस आयोजित करने का उद्देश्य कृषि में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाना है। डॉ. वीनू सांगवान ने मोटे अनाज का प्रसंस्करण व पौष्टिकता पर व्याख्यान देते हुए गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में प्रदेश की करीब 200 कृषक महिलाएं जिन्होंने इस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है, अपने खेती-बाड़ी संबंधी अनुभवों को सांझा किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....समस्त हरियाणा.....

दिनांक ..5-12-2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

डिमांड के अनुसार आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करें : डॉ. सीमा

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट का समापन

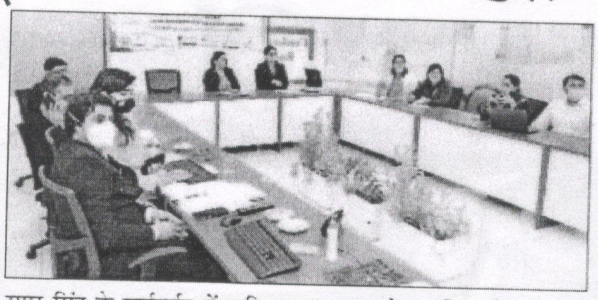

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डेवलेपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस इनवेस्टर्स मीट के समापन अवसर पर इन्वेस्टर्स व स्टार्टअप्स के बीच तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इस दौरान इन्वेस्टर्स ने स्टार्टअप्स को उनके नवीनतम आइडिया को एक बिजनेस में बदलने के तौर-तरीकों को लेकर विचार विमर्श किया।

इस मीट का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में कृषि व इससे संबंधित व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए किया गया। इस मीट में देशभर के इनवेस्टर्स, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक स्टार्टअप्स से रूबरू हुए।

एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन एबिक के चयनित एग्री स्टार्ट-अप्स को बिजनेस, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा उनके व्यवसाय के समक्ष आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान के लिए किया गया। इस इन्वेस्टर्स मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने मुख्यातिथि, मुख्य वक्ताओं, प्रतिभागियों, इनवेस्टर्स व स्टार्टअप्स का कार्यक्रम में भाग लेने पर धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा कि एबिक टीम द्वारा इस मीट के सफल आयोजन के लिए विशेष सहयोग रहा। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इनवेस्टर्स मीट में विभिन्न क्षेत्रों के देशभर से शामिल हुए निवेशकों ने स्टार्टअप्स से रूबरू होते हुए कहा कि वे अपने व्यवसाय में मौजूदा समय की जरूरत व बाजार की डिमांड के अनुसार आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करें।

इस मीट में मुंबई से ओमनीवोर कैपीटल समुह के शुभादीप सान्याल, बैंगलोर से अंकुर कैपीटल के श्रेयश सिंघल, इंडियन एंजल्स नेटवर्क के उदय चटर्जी, युनुस सोशल बिजनेस समूह के वरिष्ठ निवेशक सिपिका निगम, बिग हाट एग्रो के कॉ-फाउंडर सचिन नंदवाना, सिद्धार्थ नटराजन, सुमित सर्राफ, अमन ढाल, डॉ. रूशकी महल, सौरभ त्रिवेदी सहित एबिक के स्टार्टअप्स व एबिक टीम सदस्यों ने हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक ट्रिब्यून.....

दिनांक .6.12.2022.....पृष्ठ संख्या.....5.....कॉलम.....5-6.....

महिला किसान दिवस पर बोले कुलपति

कृषि क्षेत्र में भी महिलाओं की सहभागिता जरूरी

हिसार, 5 दिसंबर (निस)

कृषि विश्वविद्यालय ने महिला कृषकों के उत्थान के लिए कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भागेदारी को जरूरी बताया है। वहीं दूसरी हरित क्रांति के लिए कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका व सहभागिता पर बल दिया है।

महिला किसान दिवस पर हकृवि में होम साइंस कॉलेज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. समर सिंह ने महिला किसानों व अन्य अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर हम देश में दूसरी हरित क्रांति लाना चाहते हैं तो कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका व उनकी सहभागिता को सुनिश्चित करना होगा। इसके लिए महिला किसानों को प्रोत्साहन व वित्तिय सुविधा प्रदान करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज देश की कुल आबादी में आधा हिस्सा महिलाओं का है, इसके बावजूद खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं अभी भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। कुलपति ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए कृषि के क्षेत्र में उनके योगदान को न केवल सराहा जाना चाहिए, बल्कि उन्हें अधिक से अधिक किसानी के लिए आमंत्रित भी करना चाहिए। महिला किसान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में फतेहबाद जिले की प्रगतिशील महिला किसान सिमरजीत कौर ने केंचुआ खाद-एक व्यवसाय एवं खाद्य सुरक्षा पर अपन विचार सांझा किए व अन्य महिलाओं को भी जैविक खेती अपनाने पर बल दिया। इस मौके पर डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. वीनू सांगवान, डॉ. बीना यादव मौजूद रहीं।